Total Pages : 4 Roll No. .....

MAED-01/MAED-101

Philosophical and Sociological Bases of Education

शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय आधार

M.A. Education (MAED-10/12/16/17)

First Year, Examination 2019

Time : 3 Hours] **Max. Marks : 80**

Note : This paper is of Eighty (80) marks divided into two (02) sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

SECTION–A/(खण्ड-क)

(Long Answer Type Questions)/(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'A' contains five (05) long answer type questions of fifteen (15) marks each. Learners are required to answer any three (03) questions only. (3×15=45)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पन्द्रह (15) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल तीन (03) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Define the term Philosophy and explain its relationship with education. Describe the need of philosophy in education.

दर्शन को परिभाषित कीजिए तथा इसका शिक्षा से सम्बन्ध बताइए। दर्शन की शिक्षा में आवश्यकता का वर्णन कीजिए।

2. What are the educational thoughts of Rabindra Nath Tagore ? How far these may be relevant for Indian education ?

रवीन्द्रनाथ टैगोर के शैक्षिक विचार क्या हैं? यह भारतीय शिक्षण के लिए कहाँ तक उपर्युक्त हो सकते हैं?

3. "Vedic philosophy is the main source of all the Indian philosophies." Justify this statement and describe the contribution of vedic philosophy in the present system of education.

"वेदान्त दर्शन सभी भारतीय दर्शनों का मुख्य स्रोत है।" इस कथन की पुष्टि कीजिए तथा वर्तमान शिक्षा प्रणाली में वेदान्त दर्शन का योगदान भी बताइए।

4. How does society and education influence each other ? Explain your answer with sustable examples.

समाज और शिक्षा किस प्रकार एक दूसरे को प्रभावित करते हैं? उचित उदाहरणों की सहायता से अपने उत्तर को स्पष्ट कीजिए।

5. Explain the meaning of National and International integration. How education can be helpful to develop the feeling of Nationality ?

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय एकता के अर्थ को स्पष्ट कीजिए। राष्ट्रीयता की भावना के विकास में शिक्षा किस प्रकार सहायक हो सकती है?

SECTION–B/(खण्ड-ख)

(Short Answer Type Questions)/(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note : Section 'B' contains eight (08) short answer type questions of seven (07) marks each. Learners are required to answer any five (05) questions only.

(5×7=35)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए सात (07) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल पाँच (05) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Write a short note on National knowledge commission.

राष्ट्रीय ज्ञान आयोग पर एक टिप्पणी लिखिए।

2. Write short note on education and constitutional provision.

शिक्षा और संवैधानिक प्रावधानों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

3. Describe essential features of existentialism.

अस्तित्ववाद की प्रमुख विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4. Write down educational thoughts of Sri Aurobindo.

श्री अरविन्द के शैक्षिक विचारों को लिखिए।

5. Explain the 'Nishkam Karma Yoga' propogated by Geeta.

गीता द्वारा प्रतिपादित 'निष्काम कर्म योग' की व्याख्या कीजिए।

6. Describe the main educational thoughts of Sankhya and Yoga philosophy.

सांख्य और योग दर्शन के प्रमुख शैक्षिक विचारों का वर्णन कीजिए।

7. Write short note on globalization of education.

शिक्षा के भूमण्डलीकरण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

8. Write short note on "Education in the era of information and communication technology."

"सूचना एवं संचार तकनीकी युग में शिक्षा" पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।